RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 10th | GEOGRAPHY

संसाधन एवं विकास

Resources and Development

अध्याय-1 | भाग-1

एकदम BASIC से!

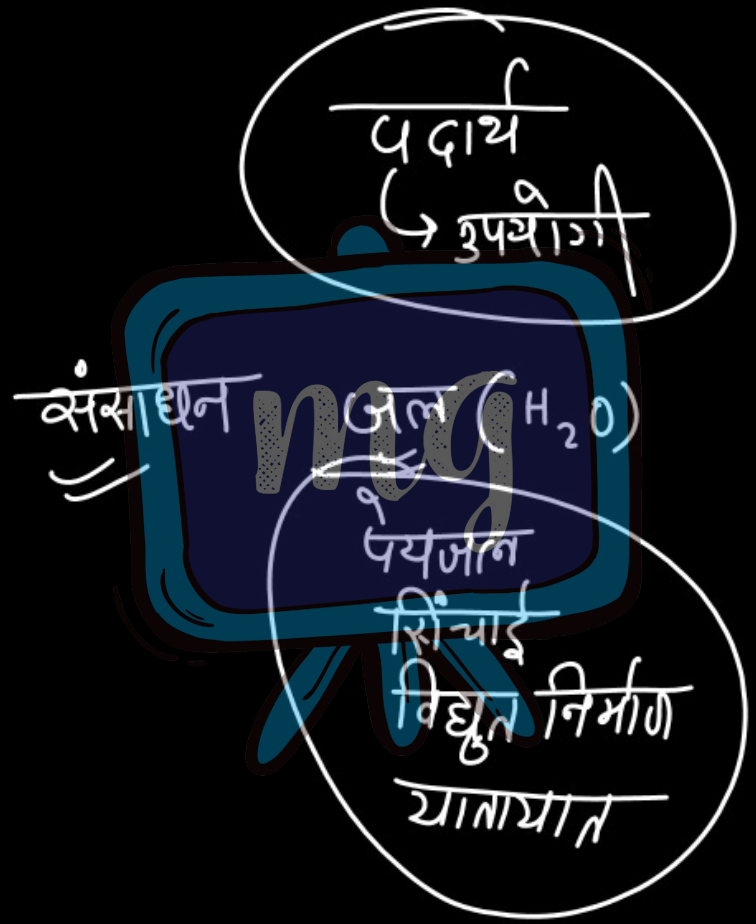


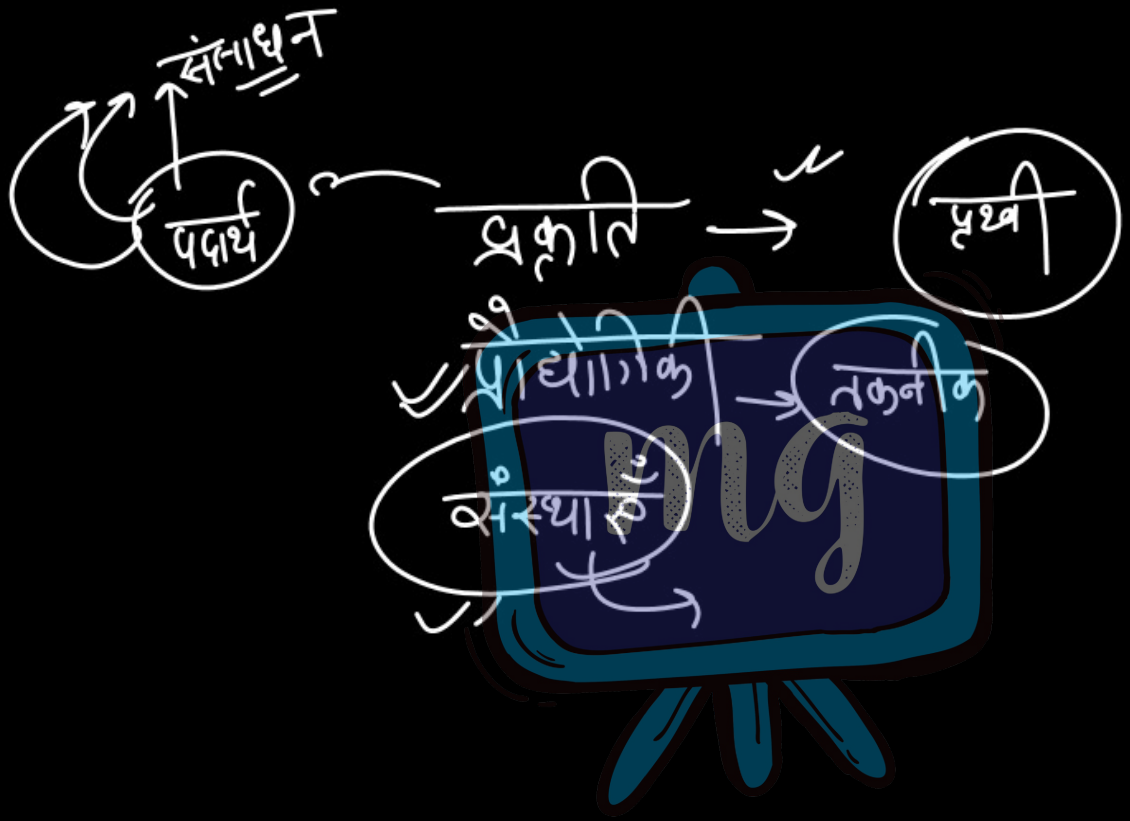
आज क्या पढेंगे ?

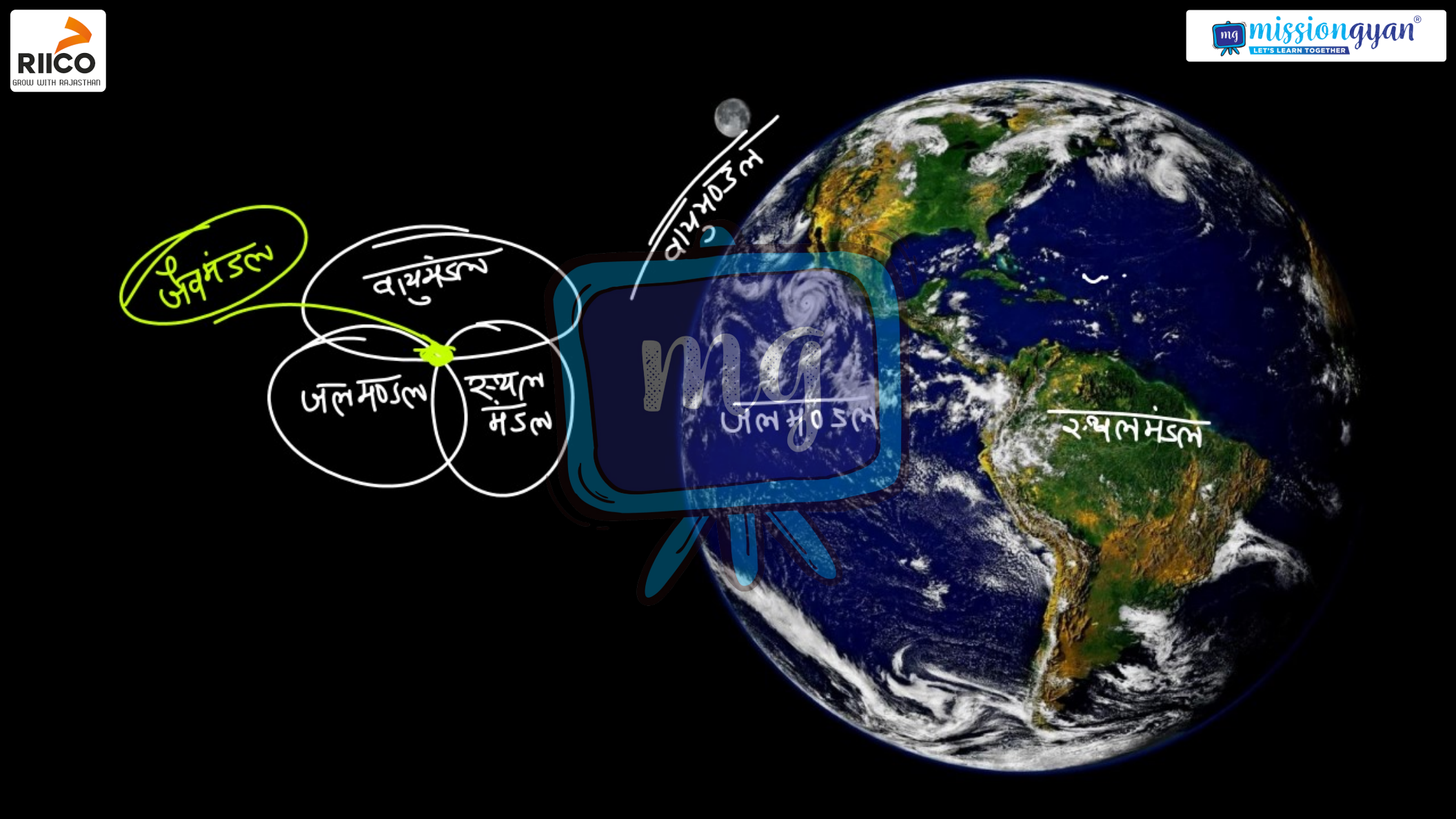
1. संसाधन
2. प्रकृति, प्रौद्योगिकी और संस्थाओं के मध्य अंतर्सम्बन्ध
2. संसाधनों का वर्गीकरण

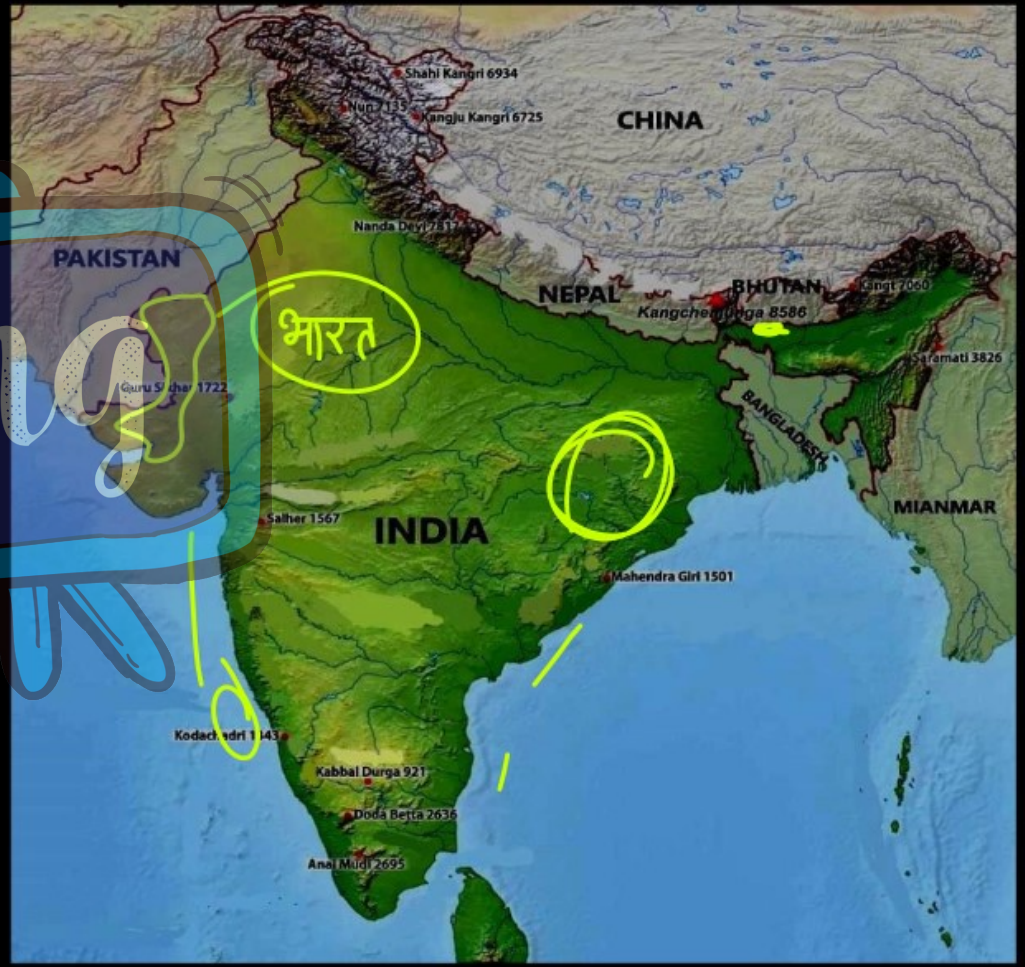
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




संसाधन
पदार्थ
प्रकृति
पृथ्वी
प्रौद्योगिकी
तकनीक
संस्था


जैवमंडल
वायुमंडल
जलमण्डल
स्थल मंडल
वायुमण्डल
जलमण्डल
स्थलमंडल


Shahi Kangri 6934
Kangju Kangri 6725
CHINA
Nanda Devi 7817
PAKISTAN
NEPAL
BHUTAN
Kangchenjunga 8586
Gurla Mandhata 7728
भारत
Saramati 3826
BANGLADESH
MIANMAR
Salher 1567
INDIA
Mahendra Giri 1501
Kabbal Durga 921
Doda Betta 2636
Anai Mudi 2695

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

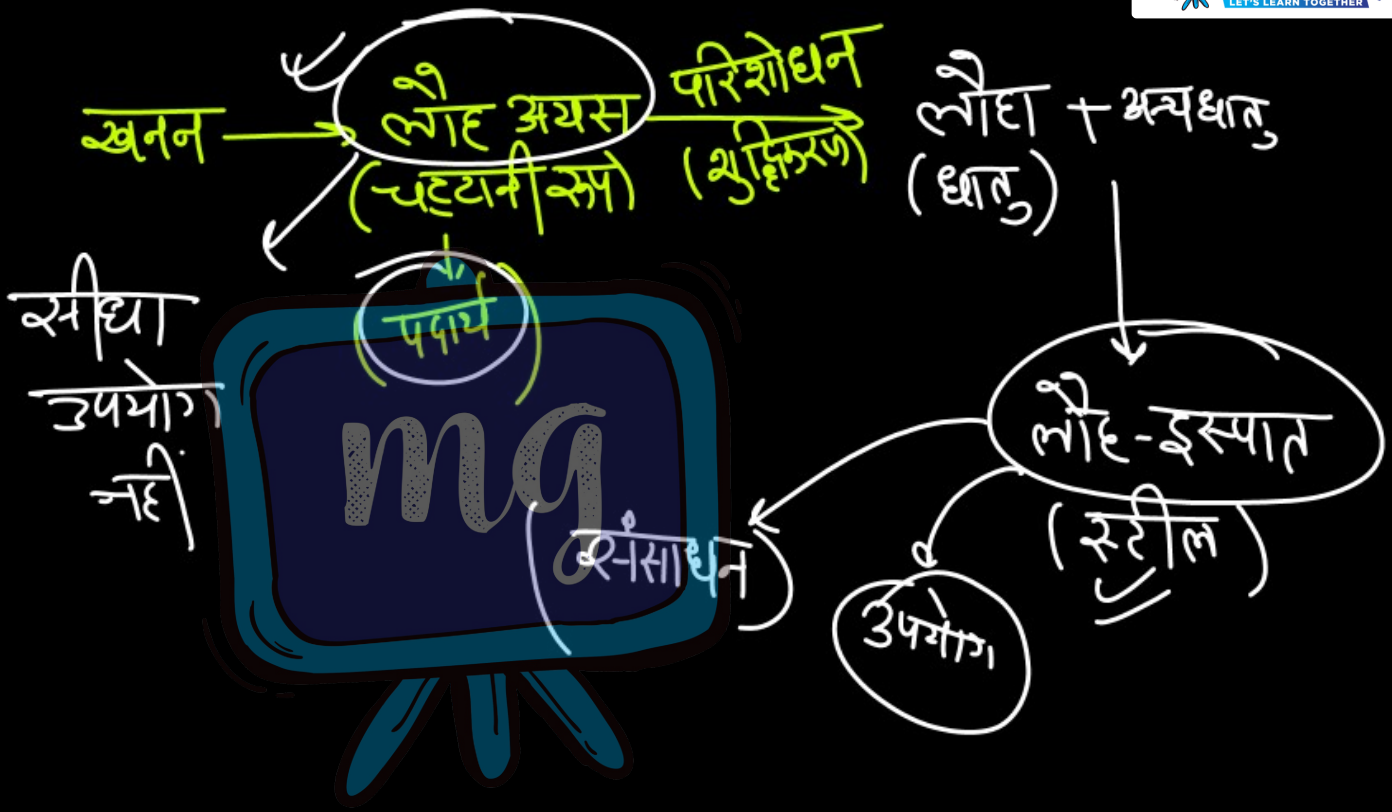
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



संसाधन

हमारे पर्यावरण में उपलब्ध प्रत्येक वस्तु (पदार्थ) :-

- जो आवश्कताओं को पूरा करने में प्रयुक्त
- जिसको बनाने के लिए प्रौद्योगिकी (तकनीक) उपलब्ध
- जो आर्थिक रूप से संभाव्य
- जो सांस्कृतिक रूप से मान्य


खनन
लौह अयस
(चट्टानी रूप)
परिशोधन
(शुद्धिकरण)
लौहा + अन्यधातु
(धातु)
सीधा उपयोग नहीं
पदार्थ
संसाधन
लौह-इस्पात
(स्टील)
उपयोग

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

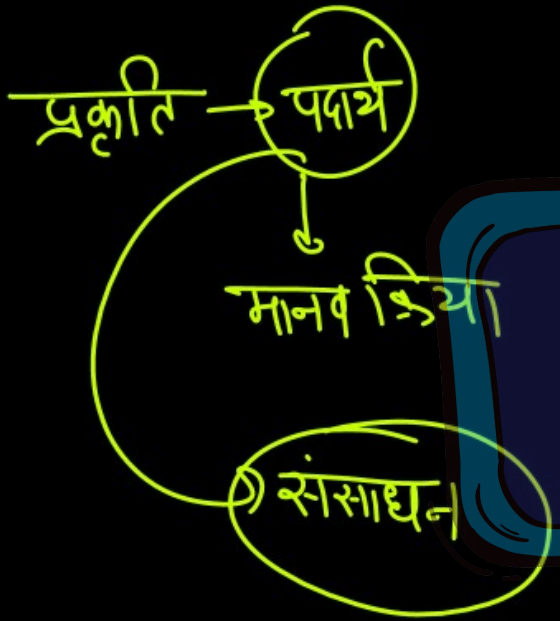


प्रकृति, प्रौद्योगिक और संस्थाओं के मध्य अन्तर्सम्बन्ध

- हमारे पर्यावरण में उपलब्ध वस्तुओं की रूपांतरण प्रक्रिया प्रकृति, प्रौद्योगिकी और संस्थाओं के पारस्परिक क्रियात्मक संबंध में निहित है।
- मानव, प्रौद्योगिकी द्वारा प्रकृति के साथ क्रिया करते हैं और अपने आर्थिक विकास की गति को तेज़ करने के लिए संस्थाओं का निर्माण करते हैं।

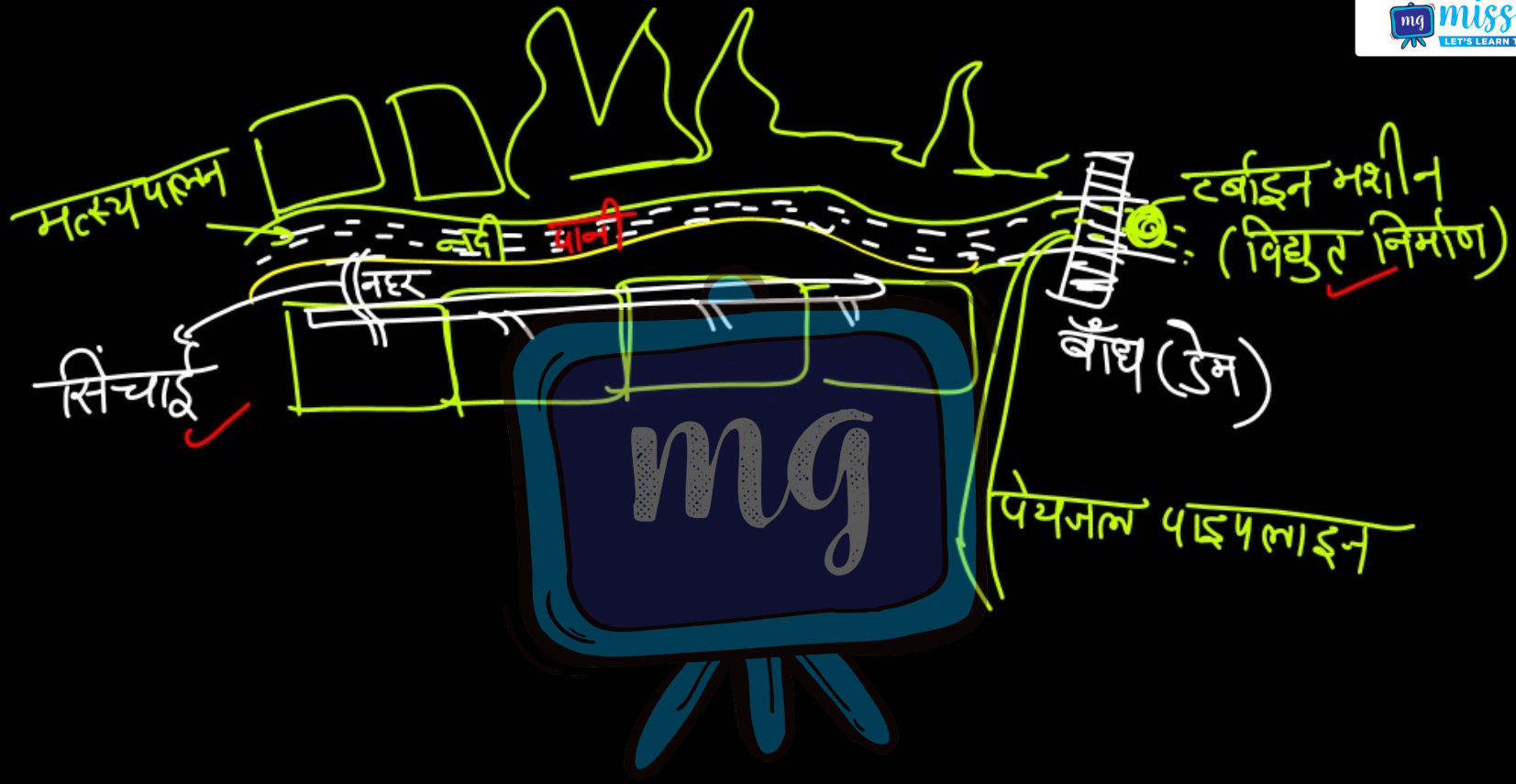
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- संसाधन मानवीय क्रियाओं का परिणाम है।
- वे पर्यावरण में पाए जाने वाले पदार्थों को संसाधनों में परिवर्तित करते हैं तथा उन्हें प्रयोग करते हैं।




मत्स्यपालन
नदी
नहर
सिंचाई
टर्बाइन मशीन
(विद्युत निर्माण)
बाँध (डेम)
पेयजल पाइपलाइन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



संसाधनों का वर्गीकरण

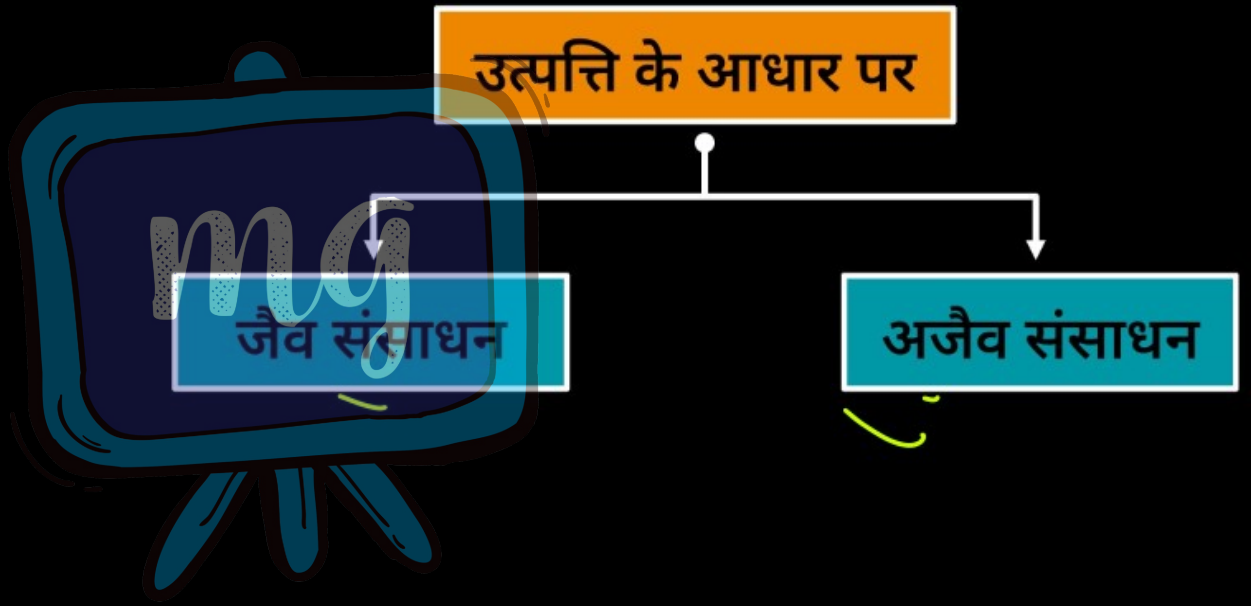
(क) उत्पत्ति के आधार पर :- जैव , अजैव

(ख) समाप्यता के आधार पर :- नवीकरणीय, अनवीकरणीय

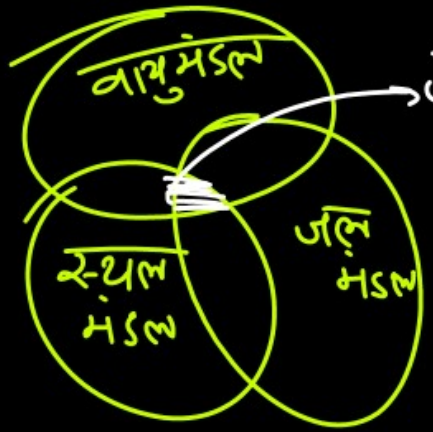
(ग) स्वामित्व के आधार पर :- व्यक्तिगत, सामुदायिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय

(घ) विकास के स्तर के आधार पर :- विकसित, संभावी, भंडार, संचित कोष

संसाधनों का वर्गीकरण



जैव संसाधन



- जैवमंडल
  - जिन संसाधनों की प्राप्ति जैव मण्डल से होती है तथा जिनमें जीवन व्याप्त है
  - जैसे:- मनुष्य, वनस्पतियाँ, पशु, मत्स्य जीवन, आदि।









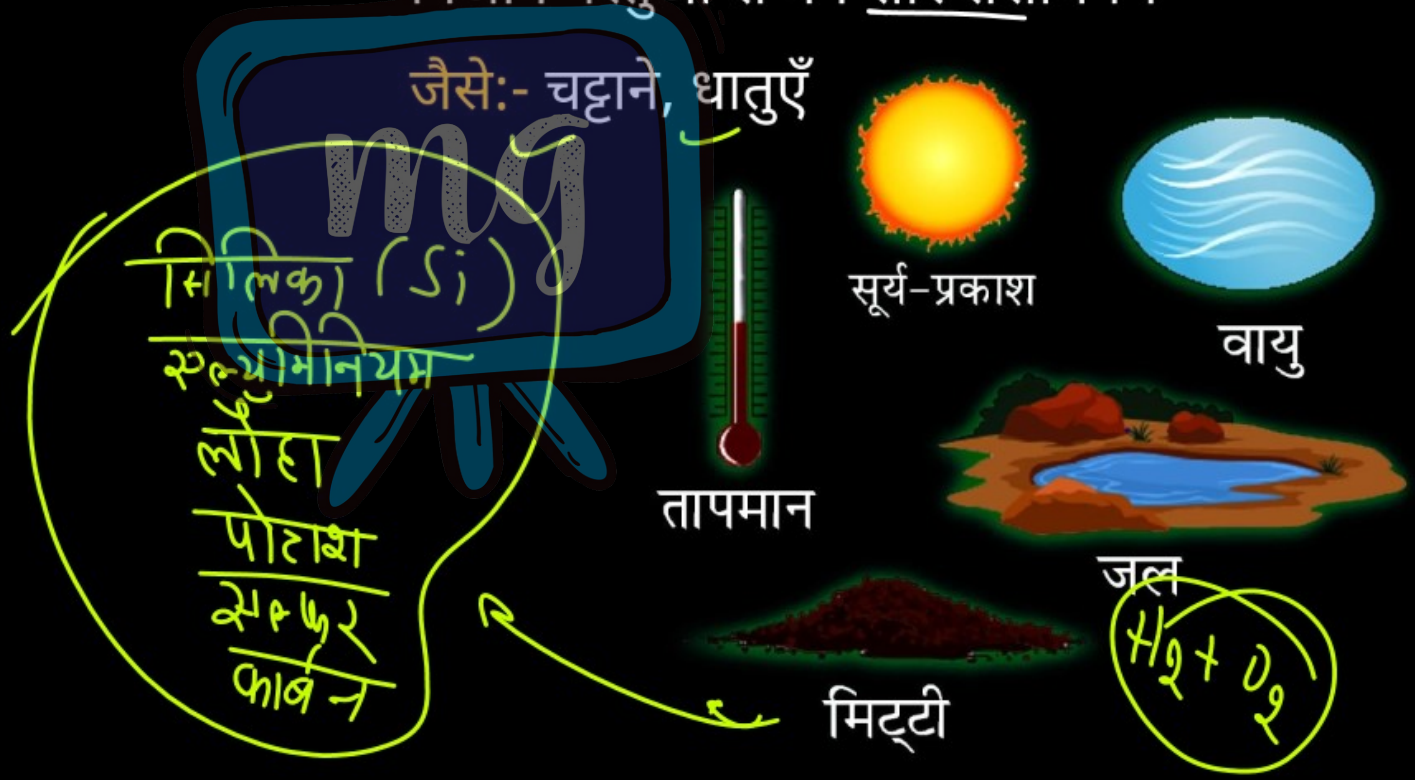
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

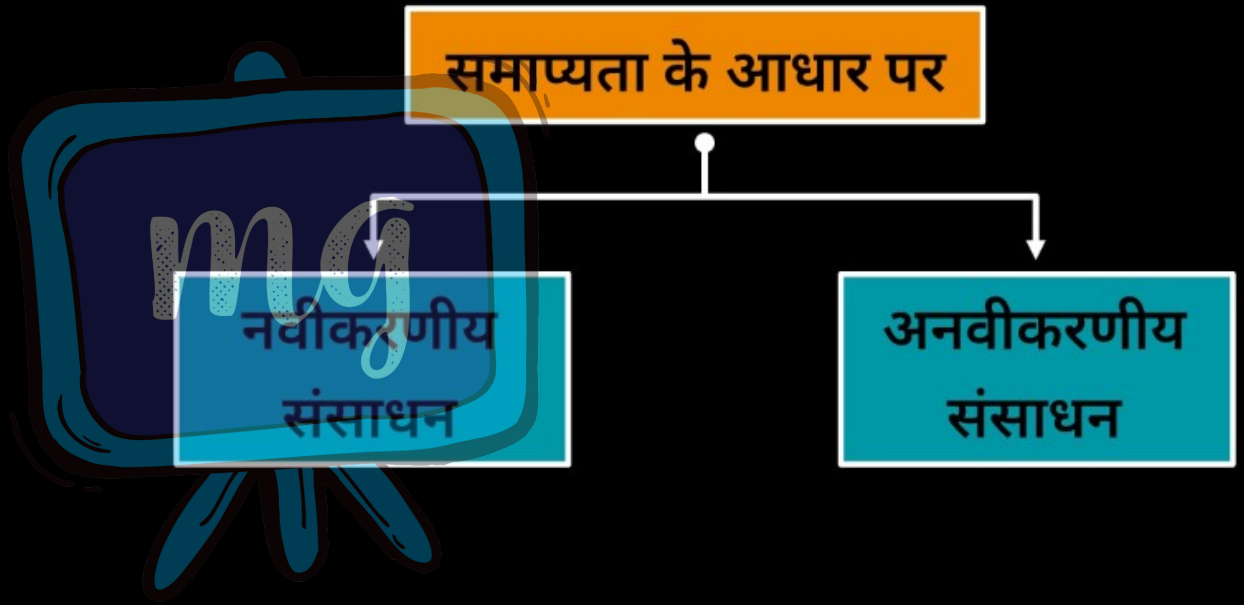
अजैव संसाधन

- निर्जीव वस्तुओं से बने सारे संसाधन ।

जैसे:- चट्टाने, धातुएँ



संसाधनों का वर्गीकरण

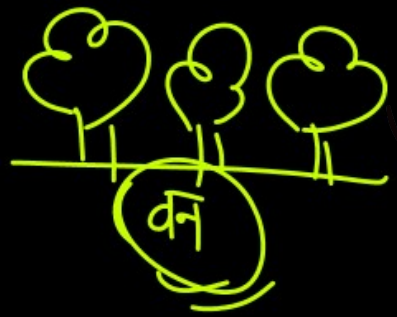


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नवीकरणीय संसाधन

- वे संसाधन जिन्हें भौतिक, रासायनिक या यांत्रिक प्रक्रियाओं द्वारा नवीकृत या पुनः उत्पन्न किया जा सकता है। जैसे:- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल, वन।





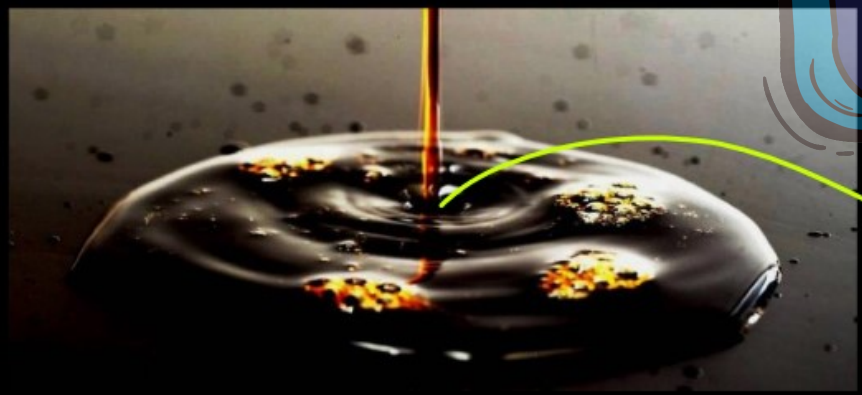


विद्युत उत्पादन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





अनवीकरणीय संसाधन

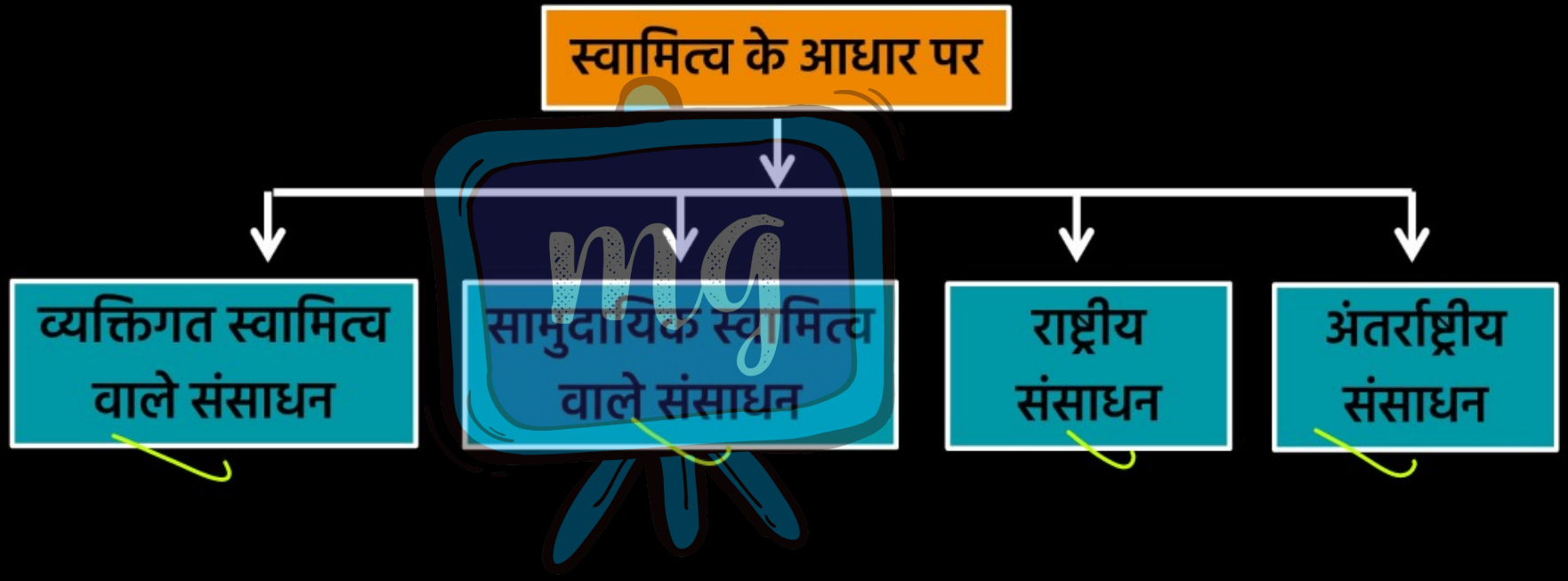
- वे संसाधन जो एक बार उपयोग करने के बाद खत्म हो जाते है।
- इन संसाधनों के बनने में हजारों, लाखों वर्ष लग जाते हैं।

जैसे:- तेल, कोयला आदि।

जीवाश्म ईंधन

खनिज तेल
(क्रूड ऑयल
पेट्रोलियम)

संसाधनों का वर्गीकरण



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

व्यक्तिगत संसाधन

- जिन संसाधनों का स्वामित्व निजी व्यक्तियों के हाथों में होता है ।
- जैसे:- भूखण्ड, घर, वाहन, किसान का खेत या अन्य सम्पत्ति जिनके मालिक निजी व्यक्ति होते है।





सामुदायिक स्वामित्व वाले संसाधन

- जिन संसाधनों का स्वामित्व समुदाय के सभी सदस्यों को उपलब्ध होता है।
- वे सामुदायिक स्वामित्व वाले संसाधन होते है।

जैसे:- सार्वजनिक पार्क, पिकनिक स्थल, खेल के मैदान





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



राष्ट्रीय संसाधन

- देश में पाए जाने वाले सारे संसाधन तकनीकी तौर पर राष्ट्रीय संसाधन कहलाते हैं।
- जैसे:- सड़कें, नहरें, रेल-लाइनें, खनिज, नदियां, वन
- देश की सरकार को कानूनी अधिकार है कि वह व्यक्तिगत संसाधनों को भी आम जनता के हित में अधिग्रहित कर सकती है।



राजनीतिक सीमाओं के अंदर सारे खनिज पदार्थ, जल संसाधन, वन, वन्य जीव, सारी भूमि और 12 समुद्री-मील (22.2 किमी.) तक महासागरीय क्षेत्र व इसमें पाए जाने वाले संसाधन राष्ट्र की संपदा हैं।





अंतर्राष्ट्रीय संसाधन

- वे संसाधन जिन पर किसी एक देश का अधिकार नहीं होता
- अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा शासित/नियंत्रण

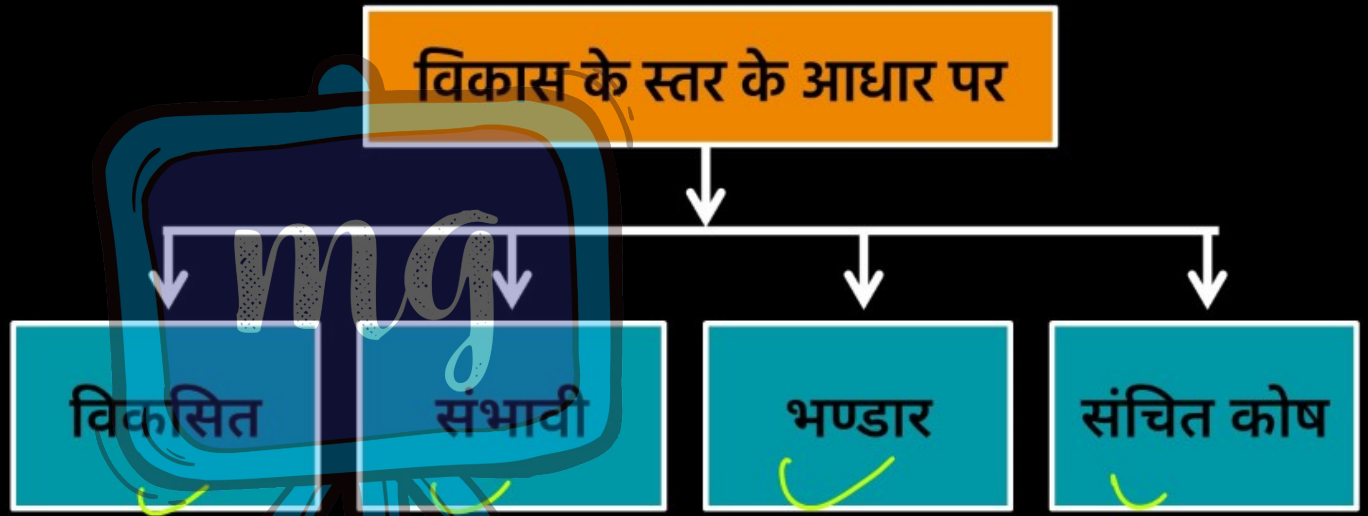
जैसे:- 200 किलोमीटर से आगे के समुद्री संसाधनों को खुले महासागर के रूप में जाना जाता है, और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों (अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन-IMO, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री प्राधिकरण-ISA) की मंजूरी के बिना, कोई भी देश इन पर कोई दावा नहीं कर सकता।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



संसाधनों का वर्गीकरण



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विकसित संसाधन

- वे संसाधन जिनका सर्वेक्षण किया जा चुका है और उनके उपयोग की गुणवत्ता और मात्रा निर्धारित की जा चुकी है। जैसे :- कोयला, खनिज, पेट्रोलियम आदि।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



संभावी संसाधन

- वे संसाधन जो किसी प्रदेश में विद्यमान होते है, परन्तु इनका उपयोग नहीं किया गया है।

जैसे:- भारत के पश्चिमी भाग में पवन और सौर ऊर्जा संसाधनों की अपार उपलब्धता है परन्तु इनका सही ढंग से विकास नहीं हुआ है।

भण्डार

- पर्यावरण में उपलब्ध वे पदार्थ जो मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकते है परन्तु उपयुक्त प्रौद्योगिकी के अभाव में उसकी पहुँच से बाहर है।
- जैसे:- जल, दो गैसों (हाइड्रोजन और ऑक्सीजन) का यौगिक है, जिसे ऊर्जा के मुख्य स्त्रोतों के रूप में प्रयोग किया जा सकता है लेकिन तकनीकी ज्ञान के अभाव में ऐसा संभव नहीं है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संचित कोष

मौजूदा तकनीकी जानकारी की मदद से उपयोग में लाया जा सकता है लेकिन इसका उपयोग शुरू नहीं किया गया है जैसे:- नदियों का पानी

